महाकवि कालिदास-जयन्ति का आयोजन

नागपूर :- दिनांक ०६ जुलै २०२४ को श्रीमती बिंझाणी महिला महाविद्यालय के कम्पुटर लॅब मे महाकविकालिदास-जयन्ति के अवसर पर 'मेघदूतम्' खण्डकाव्य की कथा को चलचित्र माध्यम के द्वारा प्रदर्शित किया गया। यह एक विभागीय कार्यक्रम था जिसमे संस्कृत विभाग की १२ तथा अन्य छात्राएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का उत्तम संचालन प्राध्यापिका किमया मलिये द्वारा किया गया। मेघदूतम् - कथा परिचय छात्राओं को डॉ. कविता जोशी द्वारा कराया गया। अन्ततः महाविद्यालय की उपप्राचार्या डॉ. सुचिता मराठे द्वारा अवसरोचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

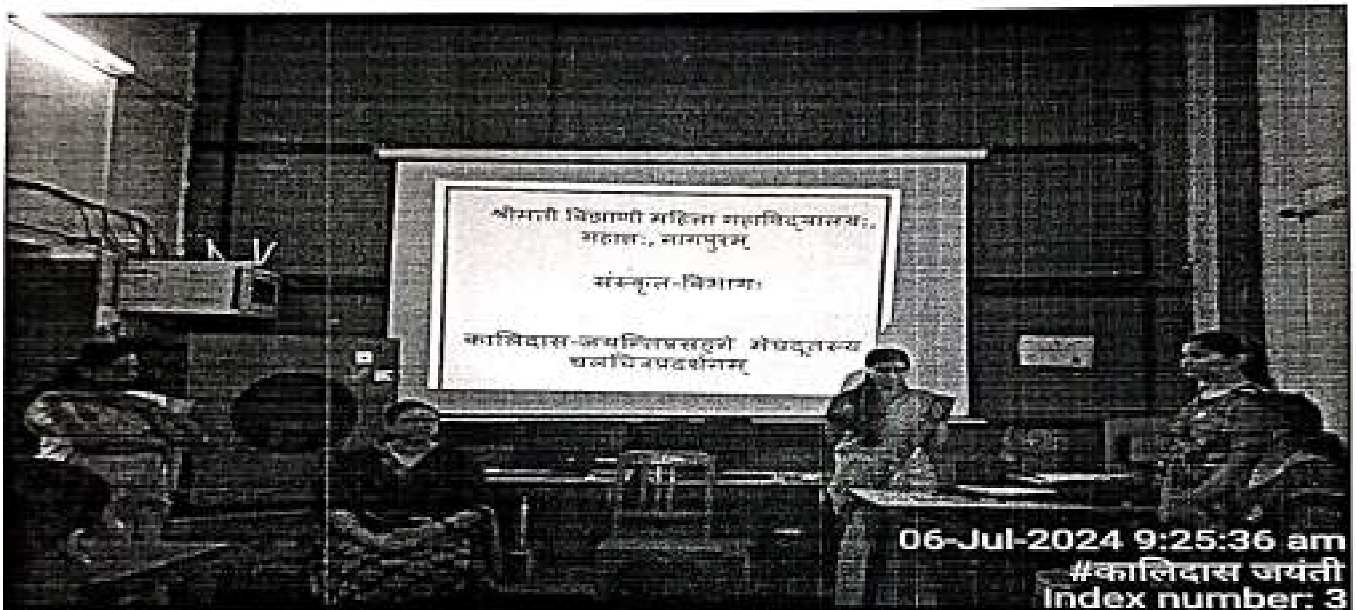

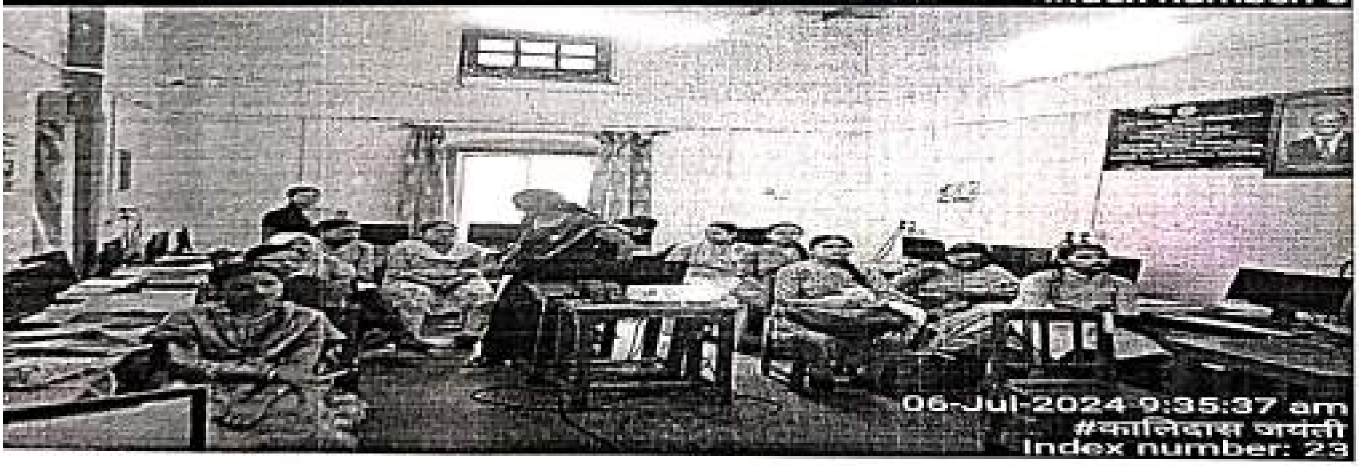

Dr. Jyoti Bothra

Dr. Kavita Joshi

Miss. Kimaya Maliye

शैक्षणिक भ्रमण

नागपूर :- दिनांक १५ अगस्त २०२४ को श्रीमती बिंझाणी महिला महाविद्यालय के सभी संस्कृत छात्राओं को 'संस्कृत-साहित्याधिष्ठित-विज्ञान-प्रदर्शनम्' जो 'संस्कृत भाषा प्रचारिणी सभा' (सस्कृत भवनम्, वेस्ट हाय कोर्ट रोड) द्वारा संस्कृत साहित्य पर आधारित वैज्ञानिक तथ्य एवं उपकरणोकी प्रदर्शनी लगाई गई जिसमे महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के शिक्षक वर्ग अपने साथ लेके गये। और इस फिल्ड वर्क मे छात्राओंको अनेक नवीन तथ्योंका ज्ञान प्राप्त हुआ। इसमे सहभागी शिक्षिकाए डॉ. ज्योति बोथरा, डॉ. कविता जोशी, प्रा. किमया मलिये, प्रा. रूपा व्यास ने छात्राओं को संस्कृत के वैज्ञानिक पक्ष के अध्ययन हेतु छात्राओं को प्रोत्साहित किया। इस प्रदर्शनी मे बी. ए. तथा ग्यारहवी बारहवी की ३१ छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

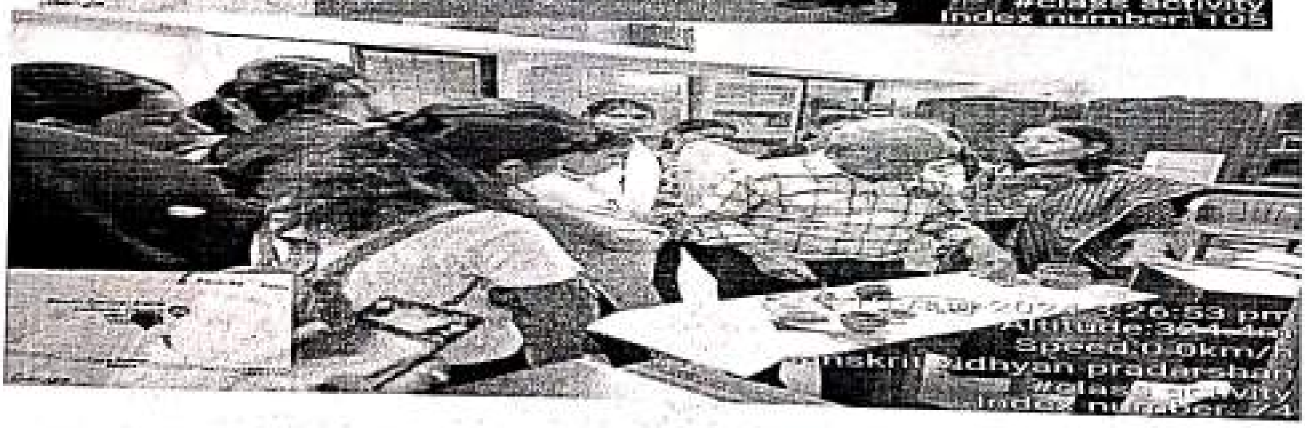

Dr. Jyoti Bothra   Jyoti Bothra

Dr. Kavita Joshi   जोशी

Miss. Kimaya Maliye   Kimaya

संस्कृत दिवस का आयोजन

नागपूर :- दिनांक २४ अगस्त २०२४ को श्रीमती बिंझाणी महिला महाविद्यालय के अभिव्यक्ति हॉल में संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 'संस्कृत-पत्रकारिता' इस विषय पर कार्यशाला का आयोजन जिसमे मुख्यवक्ता थे डॉ. चन्द्रगुप्त वर्णेकर। तथा 'संस्कृतभाषाया: भूतवर्तमानभविष्याश्च' इस विषय पर डॉ. अरुण पवार का व्याख्यान आयोजित किया गया था। डॉ. वर्णेकर ने पी.पी.टी. के माध्यम से बडे सरल तरीकेसे अपने विषय पर प्रकाश डाला। और डॉ. पवार ने विभिन्न कालोमे संस्कृत की स्थिति के उपर प्रकाश डालकर संस्कृत भाषा का महत्त्व समझाया। यह एक आंतर्विद्यालयीन कार्यक्रम था, जिसमे ३३ छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. उज्जवल लांजेवार द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में प्रास्ताविक-भाषण डॉ. ज्योति बोथरा द्वारा, मुख्यातिथि - परिचय प्राध्यापिका रूपा व्यास द्वारा तथा सन्मानातिथि का परिचय प्राध्यापिका किमया मलिये द्वारा दिया गया। अंतत: आभार-प्रदर्शन डॉ. कविता जोशी द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संस्कृत भाषा में सुंदर संचालन महाविद्यालय की छात्राएं सर्वदा जोशी एवं भावना ठवकर द्वारा किया गया।

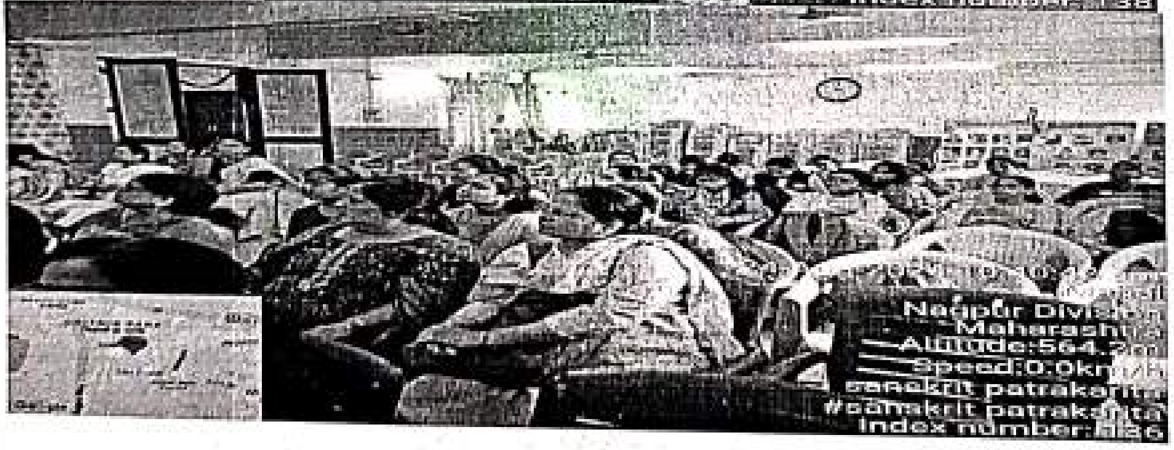

Dr. Jyoti Bothra Jyoti Bothra
Dr. Kavita Joshi
Miss. Kimaya Maliye